>

Title: Need to provide vaccines to the students appearing for Higher Secondary Examination (HSE) in Maharashtra.

**श्री राहुल रमेश शेवाले (दक्षिण-मध्य मुम्बई):** धन्यवाद, सभापति महोदय, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का मौका दिया।

महोदय, महाराष्ट्र राज्य में अगले महीने से शुरू होने वाली महाराष्ट्र शिक्षा बोर्ड – एचएसई की लिखित परीक्षा केवल ऑफलाइन मोड के माध्यम से 23 अप्रैल से शुरू होगी। सेकेण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट – एसएससी की परीक्षा 29 अप्रैल से आयोजित की जाएगी। इसका मतलब है कि छात्रों का लिखित परीक्षाओं के लिए शारीरिक रूप से परीक्षा केन्द्र पर जाना होगा, लेकिन अगर कोई छात्र कोविड-19 के कारण या उसके परिवार का कोई भी सदस्य संक्रमित हो या स्थानीय स्तर पर लॉकडाउन के कारण किसी विशेष लिखित पेपर या कई पेपरों के लिए उपस्थित होने में विफल रहता है तो उसे 15 दिनों की अनुग्रह अवधि मिलेगी, ऐसी घोषणा राज्य सरकार ने की है। महाराष्ट्र में इस साल 10वीं कक्षा के लिए 13 लाख विद्यार्थी और 12वीं कक्षा के लिए 16 लाख विद्यार्थी परीक्षा देंगे। साथ ही, आइसीएसई और आईएससी परीक्षा में 12,000 विद्यार्थी और 23,000 विद्यार्थी परीक्षा देंगे। सीबीएसई के विद्यार्थियों की संख्या भी लाखों में है। सभी परीक्षार्थी छात्रों के स्वास्थ्य की सुरक्षा करने और उनको कोविड-19 के खतरे से बचाना केन्द्र और राज्य सरकार की जिम्मेदारी है।

यद्यपि कोविड-19 महामारी के कारण बोर्ड ने कई सावधानियां उठाने की घोषणा की है, फिर भी केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को इसका संज्ञान लेकर ठोस कदम उठाने के लिए विचार करने की आवश्यकता है। अभिभावकों में अपने वार्ड को लेकर भी चिंता है। अभिभावकों की चिंता को दूर करने के लिए मेरा सुझाव है कि सभी छात्रों को कोविड वैक्सीन देनी चाहिए, जिससे छात्र फियरलेस होकर, फ्रेश माइण्ड से अपनी परीक्षाओं को पूर्ण करें। इसके अतिरिक्त, परीक्षा के दौरान ऑन ड्यूटी अध्यापक और स्कूल स्टाफ को भी वैक्सीन देने की

आवश्यकता है । सरकार से मेरा अनुरोध है कि परीक्षाओं में बैठने वाले सभी छात्रों को वैक्सीन देने का कार्य अभी से आरम्भ कर देना चाहिए, जिससे परीक्षा आरम्भ होने से पहले वैक्सीनेशन का कार्य पूर्ण हो सके । केन्द्रीय सरकार सभी राज्यों का आदेश जारी कर, परीक्षा में बैठने वाले छात्रों को तुरंत वैक्सीन देने का कार्य आरम्भ करे । महाराष्ट्र में इसकी बहुत आवश्यकता है, क्योंकि वहां कोरोना का फैलाव ज्यादा हो रहा है । धन्यवाद ।